'not real,' व्याजस्तुतिः ति, निव्याप्रश्नेसाः; 'heir-apparent,' युवराजः.
—(To make apparent) प्रादुष्कृ, साविष्कृ, प्रतस्त्रीकृ, स्पष्टीकृ,

APPARENTIN, adv. प्रादुस् ind., साञ्चात् ind., जापिन्, प्रत्यक्षतम्, स्पष्टं.
APPARENTION, s. (Appearance, form) जानासः, जाना, ज्ञाचा, ज्ञाकारः,
ज्ञाज्ञातः f., इर्स.—(Spectre, walking spirit) राज्यियः, प्रेतनरः,
प्रेतः, नेतारकः

Арракіток, в. यष्टिधर:, प्रेष्यजन:, राजदूत:.

АРРЕАСИМЕНТ, s. स्त्रियोग:, स्रपवाद:.

To APPEAL, v. n. परावर्ष प्रार्थ (c. 10. -कवंबते -विजुं); यत् कार्ये कवरप्राद्विवाकेन तीरित or निर्वात तस्यापि पुनिविचारम् वत्तमप्राद्वि-वाकसकाशात् प्रार्थ,—(To call another as witness) साखिखं कृ, काद्वे (c. 1. -द्वयति -ते -द्वात).

Аррель, s. परावर्त्त्राय्यवहार:, पुनराद्धानं, पुनरिवचारप्रार्थना, उन्नमप्राद्धिन वाकसाखाद साद्धानं.—(The calling upon any one as witness

or judge) साद्धानं

To Appear, r. n. (To become visible) दृश्च in pass. (दृश्यत), ध्वर्मदृश्च, प्रावृश्च, प्रमु (c. l. अर्थात अ्षेत्र्य, प्रावृश्च, प्रकाश्च (c. l. अर्थात अ्षेत्र्य, प्रकाश्च (c. l. अर्थात अर्थात, विक्रांत अर्थात, विक्रांत अर्थात, विक्रांत अर्थात, विक्रांत अर्थात, विक्रांत क्षांत्र्य, व्यद्ध (c. l. अर्थात अर्थात, विक्रांत क्षांत्रा, विक्रांत क्षांत्रा, क्षांत्रा, व्यव्यं (c. 2. अर्थात अर्थात, प्रावृश्च, (c. l. अर्थात अर्थात), प्रावृश्च्यंत प्रवृश्चित अर्थात, प्रावृश्च्यंत अर्थात, प्रावृश्च्यंत, प्रवृश्च्यंत, अर्थात, प्रावृश्च्यंत, अर्थात, प्रवृश्च्यंत, अर्थात, प्रावृश्च्यंत, अर्थात, प्रावृश्च्यंत, अर्थात, प्रावृश्च्यंत, अर्थात, प्रावृश्च्यंत, प्रावृश्च्यंत, विक्रांत्र व्यव्यक्ष्यंत्र, प्रावृश्च्यंत, प्रावृश्च्यंत, विक्रांत्र व्यव्यक्ष्यंत्र, प्रावृश्च्यंत, प्रावृश्च्यंत, विक्रांत्र व्यव्यक्ष्यंत्र, प्रावृश्च्यंत, प्रावृश्च्यंत, विक्रांत्र व्यव्यक्ष्यंत्र, प्रावृश्च्यंत, प्रावृश्च्यंत्र, प्रावृश्च्यंत, विक्रांत्र व्यव्यक्ष्यंत्र, प्रावृश्च्यंत्र, प्रावृश्चयंत्र, प्रावृश्च्यंत्र, प्रावृश्च्यंत्र, प्रावृश्चयंत्र, प्रावृश्च्यंत्र, प्रावृश्चयंत्र, प्रावृश्चयंत्र, प्रावृश्च्यंत्र, प्राव

To APPEASE, r. a. इम् in caus. (इमयित -चितु), उपश्रम, प्रश्नम् । स्वान् । सान्त् वर शान्त् (c. 10. सान्त्वयति -चितु), अभिशान्त् , परिश्नान्त् , उप-सान्त् ; तुष् in caus. (तीययति -चितु), परितृष, समृत् ; प्रस्टृ in caus. (-साट्यति -चितु), अभिग्रस्ट, सम्ब्रद्धः स्वत्यं ; स्वत्यं परमृत् (c. 6. न्वार्ति -चितु), परमृत् वर्षः परमृत् (c. 1. -चयित -चे -चेतु).—(To be appeased) श्रम् (c. 4. शान्यति, शमितुं), उपश्रमः ; मस्ट् (c. 1. -सोदिति -सचुं).

Appeased, p. p. ज्ञान्त: -न्ता -नं, असित: -ता -तं, प्रज्ञान्त: -न्ता -नं, ज्ञारा-चित: -ता -तं, ज्ञनुनीत: -ता -तं, प्रस्व: -चां -चं, प्रसादित: -ता -तं.

Appeasing, s. ज्ञानिः f., उपज्ञानिः f., प्रज्ञानिः f., साराधनं, प्रसादनं.

Appellant, s. उन्नमप्राट्टियाकसकाञ्चात् परावर्त्तमार्थकः, परावर्त्तमार्थियता $m.\left(\overline{\eta}\right)$, पुनराह्नानकत्ते $m.\left(\frac{5}{\eta}\right)$, चाह्नानकत्ते $m.\left(\frac{5}{\eta}\right)$, चाह्नानकत्ते $m.\left(\frac{5}{\eta}\right)$, चाह्नाः, प्रत्येप $m.\left(\overline{\eta}\right)$.

Арреціать, s. पुनराहृत:, उन्नमप्रादिवाकसाधाद् आहृत:, प्रत्येथी m. (न्). Арреціатіон, s. नामधेयं, नाम n. (न्), आख्या, संज्ञा, अभिधानं, स्राथ्या, अभिख्या, आद्वा.

APPEL≱ATIVE, a' अभिभाषिक: -का -कं, अभिभागीयक: -का -कं.— (Common) सामान्य: -न्या -न्यं, साधारख: -खा -खं

Appellee, s. चाहतः, चिभयुक्तः, प्रतयी m. (न).

To append, v. a. जनवन्य (c. 9. -चमाति -चन्दुं or caus. -चन्ययित -चित्तं). जावन्य ; उपाथा (c. 8. -ट्याति -धन्ने -धातुं), जाथा ; जयलम्य in caus. (-लम्बयति -चितं).

Appendage, s. जनुबन्धः, सम्बन्धः, उपाहितं, श्रेपांशः, उपाहितभागः. Appendant, adj. जनुबन्धे -िन्धनी -िन्धनी -िन्ध (π) .

स्रवलम्बी -स्थिनी -स्थि (न्). Appendix, s. परिज्ञिष्टं, उपग्रन्य:, जोषग्रन्य:

To APPERTAIN, v. n. (To belong to one's self) आसमात् or आसमात्रीन: ना -तं, or स्वाचीन: ना -तं, or स्वाचीन: ना -तं, or स्वाचीन: ना -तं क्षान् - (To belong, in general) sararq in pass, (-quai). The sense of 'appertaining' may often be expressed by the root अस् or चित्र with the gen. case: as, 'money appertains to me.' स भ प्रतिचक्की.

Appertaining, p. सम्बन्धी नियती निय (त्). अनुवन्धी नियती नियति (त्).

APPETENCY, s. काम:, लोभ:, खिमलाप:, वाञ्ला, इच्ला.

APPETITE, s. (Desire) काम:, होभ:, राग:, हिप: f., सिम्हिप्: f., सित्राण्टा, सित्रापहोभ:, सिह्हाप:, इस्ता.—(Hunger) यु-वा, सुपा, साहारादियाच्य, अक्रक्ट्ं,—(The digestive faculty causing appetite) सिन्ध: m., सिह्ह: m., सिन्दुः: f.—(One who has no appetite for food) सिन्दाहित:

APPEHTIVE, a. कामुक: -का -कं, श्राभिलापुक: -का -कं, द्रखुक: -की -कं. To APPLAUD, v. a. प्रश्रांस् (c. l. -प्रांसात -प्रांसात्रं), श्राभिप्रश्रांस् : प्रतिनन्द् (c. l. -नन्दित -नन्दितुं), प्रशादेन प्रशंस् । प्रशंसां कृ, स्वापां कृ.—(By clapping the hands) क्षतालेल प्रशंस-

Applauder, s. प्रशंसक:, स्तावक:, स्राघाकत्ता m. (त्.).

APPLAUSE, s. (Loudly expressed) प्रणादः, नयज्ञन्दः, धन्यवादः, प्रश्नयादः, प्रश्नयादः, प्रश्नयादः, प्रश्नाज्ञन्दः, साराविणं, भुनिनःस्वनः, ज्ञन्दो-नुरागनः.—(Praise) झाषा, प्रशंसा, स्वतिः f.

प्रशंसा, सुनि: f. Applausive, a. प्रशंसक: -का -कं, सुनिमय: -यो -यं, झापान्यित: -ता -तं. Apple, s. (A kind of fruit) फलप्रभेद:.—(Pupil of the eye)

नयनतारा, कनीनिका, चछुगीलकः. Appliance, s. (The means applied) उपाय:, सम्युपाय:, उपकरणं, सामग्री.—(The act of applying) योगः, स्वर्षणं.

Applicability, 8. योग्यता, प्रयोज्यत्वं, सामञ्चस्यं, साङ्गत्यं

APPLICABLE, त. योग्य: न्या न्यं, प्रयोक्तव्य: च्या न्यं, प्रयोक्त्य: न्या न्यं, प्रयोक्त्य: न्या न्यं, प्रयोक्त्य: न्या न्यं, च्यांक्त्य: न्या न्यं, च्यांक्त्य: न्या न्यं, च्यांक्त्य: न्या न्यं, च्यांक्त्य: या न्यं, च्यांक्तिय: या न्यं, च्यांक्तिय: न्या न्यं, च्यांकित्य: न्यांकित्य: न्यांकित

APPLICATION, s. (Of one thing to another) योगा, खपेखं, न्यसनं.
—(Attention to) जासकि /. जुनानं, योगा, प्रयोग, (Use) उपयोग, प्रयोग -(Application of mind, study) मन,प्रयोग, ज्योग, ज्योग, ज्यास, 'विद्यान्यास, ज्याय यसाय, ज्यास, 'विद्यान्यास, ज्याय यसाय, ज्ञाम, सन्तिविद्यास, स्वित्यन्यास, ज्ञाम

Аррыев, p. p. प्रयुक्तः -क्ता -क्तं, अपितः -ता -तं, न्यस्तः -स्ता -सं, निहितः .-ता -तं, निवेशितः -ता -तं

APPLIER, s. उपेता m. (त), प्रयोजकः.

To APPLY. e. a. (One thing on another) संयुक्त (c. 10. -पोत्यपति -िपत्ते), सम्य (с. 4. -क्सपति - क्सित्ते), पित्यम् ; क्यु in caus. (क्येयति - त्यित्ते), सम्भा in caus. (-पोयति - त्यिते), सम्भा in caus. (-पोयति - त्यिते), सम्भा in caus. (-पोयति - त्यिते), सम्भा द्वार्थे, प्राप्ते (с. 7. -युनांक - युक्ते - यात्रिक, यद्यम् — (To make use of) प्रयम् (с. 7. -युनांक - युक्ते), समाध्या, अनुश — (To make use of) प्रयम् (с. 1. ति स्वर्षे ते - स्यात्रों), समाध्या, अनुश — (To have recourse to, solicit) प्रयम् (с. 1. -यार्वात - यार्वि-), अतियत्, आत्रि (с. 1. -क्यांत्र - त्यार्व-), स्वर्षेति - त्यार्वि-), प्राप्ते (с. 10. -क्यांत्र - त्यार्व), प्राप्ते (с. 1. व्यत्ते), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति), प्राप्ते (с. 1. व्यति), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति), प्राप्ते (с. 1. व्यति), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति), प्राप्ते (с. 1. व्यति), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति), प्राप्ते (с. 1. व्यति), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति), प्राप्ते (с. 1. व्यति), प्राप्ते (с. 4. -क्यांत्र - त्यति)

To APPLY, v. n. (Suit, fit) युन् in pass. (युन्यते), संयुज उपयद

21